बरेली, सोमवार
11 अगस्त, 2025
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 7.00
पृष्ठ 14+4=18

दैनिक जागरण

PAGE NO. IV: BOTTOME

...रिश्ते कायम हैं आज दौलत पर, मैं जाने किस गुमान पर हूं

जासं, बरेली : श्रीराम मूर्ति स्मारक रिद्धिमा में रविवार को मुशायरे की शाम बज्म ए सुखन का आयोजन हुआ। मुशायरे का आगाज बरेली के शायर सलमान आरिफ ने कलाम 'रिश्ते कायम हैं आज दौलत पर, मैं जाने किस गुमान पर हूं' से किया। बदायूं के शायर जुबैर मिर्जा ने सुनाया 'जान कहते हैं तुमको तुम्हारे बिना, पाक कहते हैं तुमको तुम्हारे बिना, बोल सकता नहीं हूं मैं तुमको तुम्हारे बिना, बात कहता हूं तुमको तुम्हारे बिना' सुनाया।

शहर के अभिषेक अग्निहोत्री ने सुनाया, 'जो सीधा है उसे उल्लू बनाकर, वो अपना उल्लू सीधा कर रहे हैं, जिन्होंने भाव सस्ता कर रखा है, उन्हीं से दिल का सौदा कर रखा है,'।

दिल्ली की शायरा मुस्कान मजीद ने पढ़ा, 'टुकड़ा जिगर का दे दिया मां- बाप ने, मगर बरात कह रही है खाना पसंद नहीं है, मुस्कान जब से रूठ के गया है मुझ से, वो उस दिन से मुझे सजना सबरना पसंद नहीं'। इस मौके पर एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक व चेयरमैन देव मूर्ति, आशा मूर्ति, ऋचा मूर्ति, गुरु मेहरोत्रा, सुभाष मेहरा, डा. एमएस बुटोला आदि मौजूद रहे।